विद्या- भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग- पंचम, विषय -हिंदी व्याकरण, दिनांक-05-06-2021

एन.सी.ई.आर.टी. पर आधारित पाठ-4 संज्ञा

सुप्रभात बच्चों,

आज की कक्षा में संज्ञा के बारे में जानना है-

संज्ञा—

किसी भी नाम को संज्ञा कहते हैं।

प्राणी वस्तु स्थान अवस्था

इस संसार में प्रत्येक प्राणी, वस्तु, स्थान ,अवस्था आदि का कोई- ना -कोई नाम होता है। इन सभी नाम को संज्ञा कहते हैं।

किसी प्राणी, वस्तु, स्थान, अवस्था अथवा भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

संज्ञा के तीन भेद हैं---

संज्ञा

-

व्यक्तिवाचक	जातिवाचक	भाववाचक
(कृष्ण, सुदामा, पार्वती, गंगा, यमुना, रामायण)	(मैदान, पुस्तक, देश, पर्वत, मनुष्य ,गाय)	(मिठास, खुशी, अच्छाई, बुढ़ापा बचपन, क्रोध)

व्यक्तिवाचक संज्ञा—

जो संज्ञा शब्द किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु, आस्थान आदि के बारे में बताते हैं, उन्हें व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे—साक्षी, दिल्ली से रामायण खरीद कर लाई। यहां साक्षी, दिल्ली, रामायण किसी विशेष व्यक्ति, आस्थान या वस्तु के नाम है। अतः ये व्यक्तिवाचक संज्ञाएं हैं।

कुछ अन्य उदाहरण---

कृष्ण, सुदामा, गंगा ,यमुना ,सोमवार, हिमालय, भारत, जापान, सूर्य पृथ्वी आदि।

जातिवाचक---

जिस संज्ञा शब्द से किसी प्राणी, वस्तु अथवा स्थान की पूरी जाति का पता चले, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे--बालक पेड़ के नीचे खेल रहा है।

यहां बालक, पेड़ शब्द किसी विशेष प्राणी या वस्तु का बोध न कराकर अपनी संपूर्ण जाति का बोध करा रहे हैं। अतः ये जातिवाचक संज्ञाएं है।

आज के लिए इतना ही शेष अगली कक्षा में।

गृह कार्य-

दी ,गई अध्ययन- सामग्री पूरे मनोयोग से पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें।